Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

   (Name) _____

2. (Signature) _____

   (Name) _____

Roll No. | | | | | | | |
(In figures as per admission card)

Roll No. _____
(In words)

Test Booklet No.

D–7007

PAPER–III

TRIBAL & REGIONAL LANGUAGE - LITERATURE

Time : 2½ hours] **[Maximum Marks : 200**

Number of Pages in this Booklet : **32** Number of Questions in this Booklet : **26**

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. Answers to short answer/essay type questions are to be given in the space provided below each question or after the questions in the Test Booklet itself.

   No Additional Sheets are to be used.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
   (i) To have access to the Test Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
   (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the question booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
4. Read instructions given inside carefully.
5. One page is attached for Rough Work at the end of the booklet before the Evaluation Sheet.
6. If you write your name or put any mark on any part of the Answer Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, you will render yourself liable to disqualification.
7. You have to return the Test booklet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall.
8. **Use only Blue/Black Ball point pen.**
9. **Use of any calculator or log table etc. is prohibited.**
10. **There is NO negative marking.**

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. पहले पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए।
2. लघु प्रश्न तथा निबंध प्रकार के प्रश्नों के उत्तर, प्रत्येक प्रश्न के नीचे या प्रश्नों के बाद में दिये हुये रिक्त स्थान पर ही लिखिये।

   इसके लिए कोई अतिरिक्त कागज का उपयोग नहीं करना है।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी। पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
   (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए उसके कवर पेज पर लगी सील को फाड़ लें। खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें।
   (ii) **कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चैक कर लें कि ये पूरे हैं। दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ / प्रश्न कम हों या दुबारा आ गये हों या सीरियल में न हों अर्थात किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें। इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे। उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा।**
4. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें।
5. उत्तर-पुस्तिका के अन्त में कच्चा काम (Rough Work) करने के लिए मूल्यांकन शीट से पहले एक पृष्ठ दिया हुआ है।
6. यदि आप उत्तर-पुस्तिका पर अपना नाम या ऐसा कोई भी निशान जिससे आपकी पहचान हो सके, किसी भी भाग पर दर्शाते या अंकित करते हैं तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित कर दिये जायेंगे।
7. आपको परीक्षा समाप्त होने पर उत्तर-पुस्तिका निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और इसे परीक्षा समाप्ति के बाद अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें।
8. **केवल नीले / काले बाल प्वाईंट पैन का ही इस्तेमाल करें।**
9. **किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है।**
10. **गलत उत्तर के लिए अंक नहीं काटे जायेंगे।**

TRIBAL & REGIONAL LANGUAGE - LITERATURE

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा - साहित्य

PAPER – III

प्रश्न-पत्र – III

NOTE: **This paper is of two hundred (200) marks containing four (4) sections. Candidates are required to attempt the questions contained in these sections according to the detailed instructions given therein.**

नोट : यह प्रश्नपत्र दो सौ (200) अंको का है एवं इसमें चार (4) खंड हैं। अभ्यर्थियों को इन में समाहित प्रश्नों का उत्तर अलग दिये गये विस्तृत निर्देशों के अनुसार देना है।

SECTION - I
खण्ड – I

Note : This section contains five (5) questions based on the following paragraph. Each question should be answered in about thirty (30) words and each carries five (5) marks. **(5x5=25 marks)**

नोट : इस खंड में निम्नलिखित अनुच्छेद पर आधारित पाँच (5) प्रश्न हैं। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग तीस (30) शब्दों में अपेक्षित है। प्रत्येक प्रश्न पाँच (5) अंकों का है। **(5x5=25 अंक)**

Read the following statement carefully and answer the questions related to it in thirty (30) words each in Hindi, English, Bengali or Oriya. Each question carries five (5) marks.

Damkach is a dance form prevalent among the Sadans for a certain period but among the Oraons it is performed all year round. Among the Oraon too it is most popular. Generally there is no time restriction regarding performance of dance and music. Its variation is amazing. Engrossed in the performance of music and dance, people not only get relief from the physical exhaustion but also from the mental tension.

Jharkhandi dance has its own distinct style. Despite differences in body movement, speed, stepping, rhythm, beat and melody, there is great similarly among them. That is the reason why a drummer, dancer or singer here internalises them quickly as soon as he/she enters the Akhra. The music and dance traditions of each community have greatly influenced the other, like their culture, their nature and spirit are the same.

Outside the Jharkhand region there is no comparable music and dance tradition. There is an internally binding thread underneath. Give Jharkhand's something to do, enough to eat and time to dance, sing and playing music, they will make heaven out of their living and land. Songs flow like streams here. Sweet sounds of drums echo here. The gracefulness of dances entices our mind. In Jharkhand a person - Adiwasi or Sadans - devoid of interest in music is untrustworthy. Their life is full of music. This is their love for music.

निम्नलिखित विवरण का सावधानी से अध्ययन करें और इससे संबंधित पाँच (5) प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया भाषा में 30 - 30 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए पाँच (5) अंक निर्धारित हैं।

डमकच नृत्य सदानों में सीमित समय तक होने वाला नृत्य है, परन्तु उराँवों में यह मात्र विवाह के मौसम में चलने वाला नृत्य है। यह उराँवों में भी सर्वाधिक लोकप्रिय है। प्राय: उराँव समाज के नृत्य–संगीत की कोई सीमा प्रतीत नहीं होती। इसकी विविधता भी अचंभें में डाल देती है। लोग नृत्य–संगीत में पूरी तरह तन्मय होकर अपनी थकान ही नहीं, अपना तनाव भी दूर कर लेते हैं।

झारखण्ड के नृत्य की अपनी विशिष्ट शैली है। इसकी नृत्य, मुद्रा, गति, पद–संचालन, लय, ताल, राग आदि में भिन्नता होते हुए भी इनमें पर्याप्त समता है। इसी से यहाँ का कोई भी वादक, नर्तक, गायक अखरा उतरते ही थोड़े से श्रम से उनको आत्मसात कर लेता है। सभी के नृत्य–संगीत भी एक दूसरे से प्रभावित किए बिना नहीं रहे हैं। इनकी प्रकृति, इनकी आत्मा, संस्कृति की तरह एक सी है। (एक जीवन क्षेत्र में एक सी ही संस्कृति पनप सकती है।) झारखण्ड से भिन्न क्षेत्र में इस नृत्य–संगीत की कोई तुलना नहीं। इसमें एक अन्त: सूत्र विद्यमान है। झारखण्डियों को काम मिल जाय, पेट भर भोजन और नाचने–गाने, बजाने का समय मिल जाए तो वे अपने जीवन और क्षेत्र को स्वर्ग बना देते हैं। यहाँ गीतों की सरिता प्रवाहित होती है – वाद्यों का मधुर नाद गूँजता है और नृत्य की लोच, मंत्र–विमुग्ध कर देती है। संगीतविहीन व्यक्ति झारखण्ड में विश्वसनीय नहीं माना जाता चाहे वह सदान हो या आदिवासी। यही है इनका संगीतमय जीवन और संगीत प्रेम।

1. What would be the appropriate title for the above passage ? Justify.

उपर्युक्त विवरण का उपयुक्त शीर्षक क्या हो सकता है? इस शीर्षक को आप क्यों उपयुक्त मानते हैं?

2. What is the difference between the Oraon and the Sadan regarding their performance of Damkach dance and music ?

उराँवों और सदानों के डमकच नृत्य-संगीत में क्या अन्तर है?

3. What is the distinctiveness of Oraon music and dance ?
उराँवों के नृत्य-संगीत की विशिष्टता क्या है?

4. Why does a performer at the Akhra easily internalise any Jharkhandi music ?
अखरा का कोई भी कलाकार किसी झारखण्डी संगीत को क्यों आसानी से आत्मसात कर लेता है?

5. How do Jharkhandis make their life and land heaven-like ?
झारखण्डी अपनी जीवन और क्षेत्र को कैसे स्वर्ग-सा बना लेते हैं?

SECTION - II / खण्ड—II

Note : Give answer in 30 words each in Hindi, English, Bengli or Oriya. Each question carries 5 marks totalling 75 marks. **(5x15=75 marks)**

नोट : इस खंड में प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया भाषा में 30-30 शब्दों में दें। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए 5 अंक निर्धारित हैं। **(5x15=75 अंक)**

6. Why does Ethnology study culture ?
जाति विज्ञान, संस्कृति का अध्ययन क्यों करता है?

7. What are the similarity of the social lives of the Tribal people and the Sadans of Jharkhand ?

झारखण्ड में जनजातियों और सदानों के सामाजिक जीवन में क्या साम्य है?

8. Why is linguistics called grammar of grammars ?

भाषा विज्ञान को व्याकरणों का व्याकरण क्यों कहा गया है?

9. Why are these local differences of Tribal and Regional languages ? Explain.

जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के स्थानीय भेद क्यों हो जाते हैं? स्पष्ट करें।

10. What are the differences between the literature of Tribal and Regional languages and Indian literature ?

जन जातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के साहित्य और भारतीय साहित्य में क्या अन्तर है?

11. How have Ramayana and Mahabharata influenced Tribal and Regional languages/ literatures.

रामायण और महाभारत का प्रभाव जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा साहित्य पर किस रूप में पड़ा है?

12. Underscore the main features of literature ?

साहित्य के प्रमुख तत्वों को रेखांकित कीजिए?

13. Give an introduction to the distinctive structural features of an epic and a novel.
महाकाव्य अथवा उपन्यास की संरचनात्मक विशेषताओं का परिचय दीजिए।

14. What is the importance of 'Samwād' in "Natya Sahitya". Explain.
नाट्य-साहित्य में संवाद का क्या महत्व है? स्पष्ट कीजिए।

15. Explain 'Yamak' or 'Shlesh' with examples.
यमक अथवा श्लेष का सोदाहरण परिचय दीजिए।

16. What is 'Lakshana'. Explain with examples.
लक्षणा क्या है? सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

17. Throw light on the formal features of folk literature.
लोक साहित्य के स्वरूप पर प्रकाश डालिए?

18. What are the different categories of folktales. Give a song used in story tellings.
लोक कथाओं के भेद बताइए और कथा में प्रयुक्त एक गीत दीजिए।

19. Explain 'Mantra' and lullaby through examples.
मंत्र और लोरी को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए।

20. Why have folksongs been called 'Lokveda' ?
लोक गीतों को लोकवेद क्यों कहा गया है?

SECTION - III
खण्ड – III

Note : **Give your answers in Hindi, English, Bengali or Oriya in 200 words for each question. Every question carries 12 marks, totalling 60 (5x12) marks**

(5x12=60 marks)

नोट : **इस खंड के प्रश्नों के उत्तर हिन्दी, अंग्रेजी, बंगला या उड़िया भाषा में 200-200 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के उत्तर के लिए 12 अंक निर्धारित हैं।**

(5x12=60 अंक)

21. Explain the meaning of a folksong or riddle through an example in your language.
अपनी भाषा के किसी एक लोक गीत या पहेली (बुझौवल) का उदाहरण दे कर अर्थ स्पष्ट कीजिए।

22. Give a literary introduction of a devotional or social reformer poet in your language.
अपनी भाषा के किसी एक भक्त कवि अथवा समाज सुधारक कवि का साहित्यिक परिचय दीजिए।

23. Evaluate the subject matter of a modern poet in your language.
अपनी भाषा के किसी एक नए कवि की विषय-वस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

24. Give a critical introduction of a dramatist in your language.
अपनी भाषा के एक नाटककार का आलोचनात्मक परिचय दीजिए।

25. Give an outline of the main problems of your language.
अपनी भाषा की मूल समस्याओं को रेखांकित कीजिए।

SECTION - IV
खण्ड – IV

Note : **Answer of this section should be given in a tribal and regional language in 1000 words. The answer carries 40 marks.**

(1x40=40 marks)

नोट : **इस खंड के उत्तर किसी एक जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा में 1000 शब्दों में दीजिए। इसके लिए 40 अंक निर्धारित हैं।**

(1x40=40 अंक)

26. Present an outline of the origin and development of the novel or story writing in your language.

अपनी भाषा के उपन्यास अथवा कहानी साहित्य के उद्‌भव और विकास की रूप रेखा प्रस्तुत कीजिए।

FOR OFFICE USE ONLY							
Marks Obtained							
Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained	Question Number	Marks Obtained
1		26		51		76	
2		27		52		77	
3		28		53		78	
4		29		54		79	
5		30		55		80	
6		31		56		81	
7		32		57		82	
8		33		58		83	
9		34		59		84	
10		35		60		85	
11		36		61		86	
12		37		62		87	
13		38		63		88	
14		39		64		89	
15		40		65		90	
16		41		66		91	
17		42		67		92	
18		43		68		93	
19		44		69		94	
20		45		70		95	
21		46		71		96	
22		47		72		97	
23		48		73		98	
24		49		74		99	
25		50		75		100	

Total Marks Obtained (in words) .....

(in figures) .....

Signature & Name of the Coordinator .....

(Evaluation) Date .....